web: www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक-सेहत-विज्ञान-फीचर

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विज़िट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 02 अक्टूबर 2019 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 07

आर्टिकल 370 पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से 5 हफ्ते में मांगा जवाब

» 14 नवंबर को अगली सुनवाई

याचिकाएं और घाटी में नाबालिगों की कथित अवैध हिरासत का दावा करने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं. जस्टिस एनवी रमण की अगुवाई वाली संविधान बेंच में कश्मीर मामले से जुड़े मामलों की सुनवाई मंगलवार से शुरू हुई.

नईदिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाने को लेकर दायर सभी याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. संविधान बेंच ने कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाने पर जवाब देने के लिए केंद्र सरकार को 5 हफ्ते का वक्त दिया है. इस मामले पर अगली सुनवाई अब 14 नवंबर को होगी.

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कश्मीर को लेकर दायर सभी याचिकाओं को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेज दिया है. इन याचिकाओं में कश्मीर में पत्रकारों के आने-जाने पर लगाए गए कथित प्रतिबंधों का मामला उठाने वाली

दरअसल, सरकार ने 5 अगस्त को ऐतिहासिक फैसला लेते हुए जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के आर्टिकल 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त कर दिया है. यही नहीं, सरकार ने जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग करते हुए दो केंद्रशासित प्रदेश में बांट दिया है. इस फैसले के बाद से ही कश्मीर में तमाम तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं. कई अलगावादी नेताओं को उनके घर पर ही नजरबंद करके रखा गया है. कश्मीर और श्रीनगर में नेताओं के दौरे पर पाबंदी है. वहीं, मोबाइल सर्विस और इंटरनेट भी बंद है. इन्हीं पाबंदियों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है.

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) रंजन गोगोई ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के लिए शनिवार को एक संविधान पीठ गठित की थी. पीठ के सदस्यों में जस्टिस एन वी रमण, जस्टिस एस के कौल, जस्टिस आर सुभाष रेड्डी, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं.

एससी-एसटी ऐक्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने पलटा अपना फैसला

» गिरफ्तारी का पुराना कानून वापस

नईदिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) अत्याचार निवारण कानून के प्रावधानों को हल्का करने के दो सदस्यीय पीठ के फैसले को मंगलवार को निरस्त कर दिया. न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति भूषण गवई की पीठ ने केन्द्र सरकार की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई के बाद पुराने फैसले को रद्द कर दिया। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति मिश्रा और न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित की खंडपीठ ने केन्द्र एवं अन्य की पुनर्विचार याचिकाओं को तीन सदस्यीय पीठ के सुपुर्द कर दिया था। दो सदस्यीय पीठ ने मार्च 2018 में एससी/एसटी कानून के प्रावधानों को हल्का किया था, जिसे केन्द्र एवं अन्य ने पुनर्विचार का अदालत से अनुरोध किया था। पिछले साल दिए इस फैसले में शीर्ष अदालत ने माना था कि एससी/एसटी एक्ट में तुरंत गिरफ्तारी की व्यवस्था के चलते कई बार बेकसूर लोगों को जेल जाना पड़ता है। कोर्ट ने तुरंत गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। इसके खिलाफ सरकार ने पुनर्विचार अर्जी दायर की थी, जिस पर आज तीन जजों की बेंच का फैसला आया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

प्रधानमंत्री मोदी, शाह ने राष्ट्रपति को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को जन्मदिन की बधाई दी। मोदी ने कहा, राष्ट्रपति को उनके जन्मदिन की हार्दिक बधाई। भारत को उनकी अंतर्दृष्टि और नीतिगत मामलों की महत्वपूर्ण समझ प्राप्त हुआ है। गरीबों और दलितों को सशक्त बनाने के प्रति उनके जुनून को हमेशा देखा जा सकता है। ईश्वर उन्हें लंबी आयु और स्वस्थ जीवन प्रदान करें। कोविंद का जन्म एक अक्टूबर 1945 को उत्तर प्रदेश में कानपुर देहात के एक छोटे से गांव परौंख में हुआ था। कानपुर के डीएवी कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक और एलएलबी की डिग्री हासिल करने वाले कोविंद 25 जुलाई 2017 को राष्ट्रपति बनने से पहले बिहार के राज्यपाल थे।

गुटेरेस ने यूपी, बिहार में बाढ़ से हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वह भारत के उत्तर प्रदेश और बिहार राज्य में पिछले कुछ दिनों के दौरान भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में हुई मौतों से दुखी हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार गुटेरेस ने सोमवार को कहा कि बारिश के कारण आई बाढ़ की वजह से लोगों को विस्थापित भी होना पड़ा है और संपत्ति का भी नुकसान हुआ है। गुटेरेस ने आपदा का शिकार हुए परिवारों, भारत की सरकार और लोगों के प्रति संवेदना और एकजुटता व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। गुटेरेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाढ़ का शिकार हुए लोगों की सहायता करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश और बिहार में बाढ़ से 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई है।

पैसे लेकर हत्या के मामले में पुलिसकर्मियों सहित 39 गिरफ्तार

सन सल्वाडोर। अल सल्वाडोर में पैसे लेकर 48 लोगों की हत्या करने के मामले में पुलिसकर्मियों सहित 39 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य अभियोजक राउल मेलरा ने सोमवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। किसी भी तरह का हमला अपराध है। मेलरा के अनुसार गिरफ्तार किये गये लोगों में चार सेवानिवृत्ति पुलिसकर्मी और 14 एजेंट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी एक आपराधिक नेटवर्क के सदस्य थे, जिसने पैसा लेकर 48 लोगों की हत्या की थी। अपराधियों ने पुलिस तलाशी आदेश के सहारे पीड़ितों को घर से उठाया और उनकी हत्या कर दी।

चीन-पाकिस्तान फोरम में शामिल होंगे इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान 8 अक्टूबर को बीजिंग में चीन-पाकिस्तान बिजनेस फोरम में शिरकत करेंगे। द न्यूज इंटरनेशनल ने मंगलवार को बताया कि अगस्त 2018 में सत्ता में आने के बाद खान का यह तीसरा चीन दौरा होगा। खान सबसे पहले नवंबर 2018 में शंघाई में आयोजित चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो में भाग लेने के लिए वहां गए थे। इस साल अप्रैल में, खान ने बीजिंग में दूसरे बेल्ट एंड रोड फोरम फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन (बीआरएफ) में भाग लिया। फोरम का उद्देश्य दोनों पक्षों के आर्थिक और व्यापारिक आदान-प्रदान व सहयोग को बढ़ावा देना है।

बस स्टैंड पर खड़ी बस में मिला 15 किलो विस्फोटक

» जम्मू में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों ने आतंकियों की एक बहुत बड़ी साजिश को नाकाम किया है। जम्मू बस स्टैंड के पास एक बस में विस्फोटक मिला है। बताया जा रहा है कि इस बस से 15 किलो विस्फोटक मिला है। यह कठुआ जिले के बिलावर से जम्मू पहुंची थी। बता दें कि कुछ दिन पहले ही कठुआ के बिलावर इलाके से ही 40 किलो विस्फोटक मिला था। बिलावर कठुआ जिले का एक कस्बा है।

बताया जा रहा है कि विस्फोटक एक बैग से मिला है। कठुआ में बिलावर से बस के कंडक्टर को बैग दिया गया था।

वहीं मंगलवार सुबह जम्मू कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तान ने एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए भारतीय इलाकों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने शाहपुर करेनी सेक्टर में मोर्टार फायरिंग की। भारतीय सेना भी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान को करारा जवाब दे रही है। बता दें कि 28 सितंबर को महज 3 घंटों के अंदर जम्मू कश्मीर में तीन आतंकी हमले हुए थे। गांदरबल में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया था। श्रीनगर और डोडा में आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया। आतंकी हमले के बाद डोडा में सुरक्षा कड़ी कर दी गई और आतंकियों की तलाशी के लिए अभियान चलाया गया।

चंद्रयान 2: लैंडर विक्रम की तलाश, इसरो को अब चांद पर दिन निकलने का इंतजार

बेंगलुरु। चंद्रयान-2 के लैंडर 'विक्रम' को लेकर फिलहाल कोई अच्छी खबर भले नहीं आई, लेकिन इसरो ने अभी हिम्मत नहीं हारी है। तीन हफ्ते से ज्यादा वक्त पहले चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' के प्रयास के दौरान विक्रम से संपर्क टूट गया था। लेकिन इसरो ने कहा कि संपर्क कायम करने की कोशिशें अभी छोड़ी नहीं हैं।

बता दें कि सात सितंबर को चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' से कुछ मिनट पहले 'विक्रम' का जमीनी स्टेशन से संपर्क टूट गया था। इसके बाद से ही बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी लैंडर से संपर्क स्थापित करने के लिए हरसंभव कोशिशें कर रही है। चंद्रमा पर रात शुरू होने के कारण 10 दिन पहले इन कोशिशों को स्थगित कर दिया गया था।

इसरो अध्यक्ष के. सिवन ने मंगलवार को कहा, 'अभी यह संभव नहीं है, वहां रात हो रही है। शायद इसके बाद हम इसे शुरू करेंगे। हमारे लैंडिंग स्थल पर भी रात का समय हो रहा है।' चंद्रमा पर रात होने का मतलब है कि लैंडर अब अंधेरे में जा चुका है। उन्होंने कहा, 'चंद्रमा पर दिन होने के बाद हम प्रयास करेंगे।'

'चंद्रयान-2' काफी जटिल मिशन था जिसमें चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के अनछुए हिस्से की खोज करने के लिए ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर को एक साथ भेजा गया था। इसरो ने प्रक्षेपण से पहले कहा था कि लैंडर और रोवर का जीवनकाल एक चंद्र दिवस यानी कि धरती के 14 दिनों के बराबर होगा।

कुछ अंतरिक्ष विशेषज्ञों का मानना है कि लैंडर से संपर्क स्थापित करना अब काफी मुश्किल लगता है। इसरो के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'मुझे लगता है कि कई दिन गुजर जाने के बाद संपर्क करना काफी मुश्किल होगा लेकिन कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है।' यह पूछे जाने पर कि क्या चंद्रमा पर रात के समय अत्यधिक ठंड में लैंडर दुरुस्त स्थिति में रह सकता है, अधिकारी ने कहा, 'सिर्फ ठंड ही नहीं, बल्कि झटके से हुआ असर भी चिंता की बात है क्योंकि लैंडर तेज गति से चंद्रमा की सतह पर गिरा होगा। इस झटके के कारण लैंडर के भीतर कई चीजों को नुकसान पहुंच सकता है।' इस बीच, सिवन ने कहा कि ऑर्बिटर ठीक है।

एनआरसी पर भ्रम दूर करें, सभी हिंदू शरणार्थियों को मिलेगी भारतीय नागरिकता: अमित शाह

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनआरसी के मुद्दे पर सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि किसी भी हिंदू और ईसाई शरणार्थी को भारत छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। एनसीआर पर राज्य की सीएम ममता बनर्जी द्वारा गुमराह करने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि जो भी हिंदू शरणार्थी देश में आए हैं, उन्हें भारत की नागरिकता दी जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि किसी हिंदू शरणार्थी को देश से जाने नहीं देंगे और किसी घुसपैठिए को देश में रहने नहीं देंगे।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह मंगलवार को एनसीआर और अनुच्छेद 370 पर केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा, एनआरसी पर

बंगाल की जनता को गुमराह किया गया। मैं बंगाल की जनता को सचाई बताने आया हूं। सभी हिंदू शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी। मोदी सरकार जल्द ही सिटिजनशिप अमेंडमेंट बिल लाने वाली है। इसके बाद मेरे जितना ही अधिकार हर शरणार्थी को मिल पाएगा। एक भी घुसपैठिए को देश में रहने नहीं देंगे। एक-एक शरणार्थी को प्रधानमंत्री बनने का अधिकार बीजेपी सरकार देने वाली है। बीजेपी को पश्चिम बंगाल से 18 लोकसभा सीटें मिलने का असर बताते हुए अमित शाह ने कहा, पहले दुर्गापूजा में मूर्ति विसर्जन के लिए कोर्ट में जाना पड़ता था। इस बार में दुर्गापूजा में आरती करने आया हूं, किसी की हिम्मत नहीं है दुर्गापूजा रोकने की। वसंत पंचमी पर देख लीजिएगा किसी की हिम्मत नहीं होगी वसंत पंचमी को रोकने की क्योंकि आपने 18 सीटें भारतीय जनता पार्टी को दी हैं।

इससे पहले अमित शाह ने कहा, अनुच्छेद 370 हटाकर मोदी जी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा किया है। बंगाल के सपूत मुखर्जी ने कश्मीर की धरती पर नारा लगाया था एक देश में दो प्रधान, दो निशान नहीं रहेंगे। उन्होंने एक निशान, एक विधान और एक प्रधान का नारा दिया।

लोकसभा चुनाव में बंगाल की जनता के योगदान को धन्यवाद करते हुए अमित शाह ने कहा, देश में दूसरी बार पीएम के नेतृत्व में बीजेपी पहली बार 300 का आंकड़ा पार कर पाई। इसमें सबसे ज्यादा योगदान प बंगाल की जनता का है। पश्चिम बंगाल के अंदर अगर जनता परिवर्तन न करती तो 300 सीट पार नहीं कर पाती बीजेपी। मैं भरोसा दिलाना चाहता हूं कि 18 सीटें जिता कर परिवर्तन की जो इच्छा जताई है, अगली बार बंगाल में भी निश्चित रूप से बीजेपी सरकार बनने जा रही है।

ट्रम्प ने की थी मूलर की जांच रिपोर्ट को लेकर मॉरिसन से बात: ऑस्ट्रेलिया

वाशिंगटन। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने इस बात की पुष्टि की है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मूलर जांच के स्रोतों के बारे में पता लगाने के लिए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से बात की थी और उनसे मदद मांगी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प ने हाल में मॉरिसन को फोन किया था और उनसे अमेरिका न्याय विभाग के लिए सूचनाएं एकत्रित करने को कहा था। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार सुबह कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार जांच के मामलों में सहायता करने के लिए हमेशा तत्पर रही है। उधर, गार्नियर अखबार ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि मॉरिसन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से बातचीत की पुष्टि की है। इससे पहले अमेरिका के न्याय विभाग की प्रवक्ता केरी कुपेक ने सोमवार को कहा था कि अटॉर्नी जनरल विलियम बर ट्रम्प से मूलर की जांच के स्रोतों का पता लगाने के लिए विभागीय जांच टीम गठित करने और इसके लिए विदेशी राष्ट्रों से सम्पर्क करने को कहा है।

भारी बारिश से मालदा में बाढ़ जैसी स्थिति, 2.5 लाख लोग प्रभावित

मालदा (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है. जिसकी वजह 2.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं. जिले में सभी ब्लॉक के निचले इलाके जलमग्न हैं. पिछले दो दिन में भारी बारिश के कारण बड़ी संख्या में कच्चे मकान ढह गए हैं.

'जिले में बाढ़ जैसी स्थिति से 50,000 घरों के कुल 2.5 लाख लोग प्रभावित हुए हैं. गंगा किनारे फंसे निवासियों को बचाने का अभियान चल रहा है.' सिंचाई विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि जिले में सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे से 99.80 मिलीमीटर से अधिक की बारिश हुई.

मालदा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के आपात, ऑपरेशन थिएटर और पुरुष तथा महिला वार्ड भी डूब गए हैं. जलमग्न ऑपरेशन थिएटर में ही ऑपरेशन किए गए.

जिला मुख्यालय 'इंग्लिश बाजार' के ज्यादातर वार्डों में पानी भरा हुआ है. जिला कलेक्टरेट, जिला मजिस्ट्रेट के आवास और सरकारी कार्यालयों में भी पानी घुस गया है. निवासियों ने ठहरे हुए पानी की निकासी की मांग करते हुए कई स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध कर दी हैं. वहीं, जिले में सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. जिले में लगाए 10 राहत शिविरों में आसरा लेने वाले लोगों को पका हुआ भोजन दिया जा रहा है. एनडीआरएफ का एक दल राहत एवं बचाव अभियान के लिए जिले के रतुआ इलाके में तैनात है.

चीन ने सैन्य परेड में दिखाई अपनी ताकत, हथियारों और मिसाइलों का प्रदर्शन

पेइचिंग। चीन ने कम्युनिस्ट शासन के 70 साल पूरे होने पर मंगलवार को विशाल सैन्य परेड के साथ-साथ अपने घातक हथियारों, मिसाइलों का प्रदर्शन किया। चीन के इस परेड को दुनिया के सामने शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर उसकी मिसाइलें दुनिया को हैरान कर रही है। चीन ने जिन मिसाइलों का प्रदर्शन किया, उनमें इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइलें डोंगफेंग-41 और डोंगफेंग-17 भी शामिल थीं, जो 15 हजार किलोमीटर दूरी तक मार कर सकती हैं। डीएफ-41 दुनिया की सबसे दूरी तक मार करने वाली मिसाइल मानी जाती है। चीन ने पहली बार इस मिसाल को परेड में दिखाया।

सैन्य परेड में चीन ने अपने आधुनिक और बहुत शक्तिशाली

हथियारों का प्रदर्शन किया। इन हथियारों में फाइटर प्लेन, एयरक्राफ्ट कैरियर, सुपरसोनिक मिसाइल और न्यूक्लियर क्षमता से लैस पनडुब्बियों का प्रदर्शन किया गया। बता दें कि चीन के गृहयुद्ध के बाद 1 अक्टूबर 1949 को माओत्से तुंग ने पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की घोषणा की थी।

परमाणु और हाइपरसोनिक मिसाइलों समेत अपने सबसे आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन चीन ने मिलिटरी परेड में किया। इसमें छ्रम-41 भी शामिल है। यह दुनिया की सबसे ताकतवर मिसाइलों में शामिल है जिसकी मारक क्षमता बहुत अधिक है। जानकारों का कहना है कि यह मिसाइल कुछ ही मिनटों में चीन से यूएस तक पहुंच सकती है।

इस मिसाइल को विश्व की सबसे लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम मिसाइल माना जा रहा है, जिसकी मारक क्षमता 15,000 किमी. तक है। विश्लेषकों के मुताबिक इस मिसाइल पर एक साथ 10 वॉरहेड्स फिट किए जा सकते हैं जो एक साथ अलग-अलग टारगेट को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

चीन ने भव्य परेड के साथ साम्यवादी शासन की 70वीं वर्षगांठ का जश्न मनाया। चीन में हर ओर इन दिनों जश्न का माहौल है। इस मौके पर बढ़ती राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के बीच भव्य परेड निकाली गई, जिसमें उसने परमाणु और हाइपरसोनिक मिसाइलों समेत अपने सबसे आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर जश्न समारोह का मुख्य कार्यक्रम चीनी सेना की अब तक की सबसे बड़ी परेड रही। अपने मुख्य हथियारों को छिपाकर रखने वाले चीन ने नयी परमाणु और हाइपरसोनिक मिसाइलों का प्रदर्शन किया। इसे उसका शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। यह जश्न समारोह ऐसे समय में हो रहा है जब देश गंभीर राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है।